भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3720
3/4/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

आर्कटिक सर्कल में भू-राजनीतिक तनावों के लिए भारत की रणनीति

3720 श्री मिलिंद मुरली देवरा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा आर्कटिक क्षेत्र में अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार की आर्कटिक क्षेत्र में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, विशेष रूप से दुर्लभ मृदा अन्वेषण और समुद्री/नौवहन अवसरों से संबंधित घटनाक्रमों पर कोई नीति है और सरकार इनकी करीब से निगरानी कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित/ उपयोग की गई है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को अपने स्वायत्तशासी संस्थान, राष्ट्रीय ध्रुवीय और समुद्री अनुसंधान केंद्र (NCPOR), गोवा के माध्यम से आर्कटिक में भारतीय वैज्ञानिक अभियान चलाने के लिए अधिदेश है, जो बहु-विषयक और बहु-संस्थागत प्रकृति के हैं। आज की तारीख तक, आर्कटिक में 15 सफल भारतीय वैज्ञानिक अभियान चलाए जा चुके हैं। आर्कटिक क्षेत्र में भारत के वैज्ञानिक हितों का विस्तार करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

- भारत ने 17 मार्च 2022 को 'भारत और आर्कटिक: सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण' शीर्षक से अपना आर्कटिक नीति दस्तावेज जारी किया। इस नीति में छह स्तंभ निर्धारित किए गए हैं: i) भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान और सहयोग को मजबूत करना, ii) जलवायु और पर्यावरणीय संरक्षण, iii) आर्थिक और मानव विकास, iv) परिवहन और कनेक्टीविटी, v) प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा vi) आर्कटिक क्षेत्र में राष्ट्रीय क्षमता का निर्माण। भारत की आर्कटिक नीति के कार्यान्वयन की देखरेख सचिव,पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी अधिकार प्राप्त आर्कटिक नीति समूह द्वारा की जाती है।
- पूरे वर्ष वैज्ञानिक अभियान और संचालन की सुविधा प्रदान करके तथा एक वर्ष में 300 से अधिक दिनों के लिए भारतीय अनुसंधान स्टेशन हिमाद्री पर कार्य करके दिसंबर, 2023 से आर्कटिक में भारत की उपस्थिति को नियमित करना।
- वर्ष 2022 और 2023 में नॉर्वे के सहयोग से मध्य आर्कटिक महासागर परिभ्रमणों में भारतीय शोधकर्ताओं की भागीदारी।
- वर्ष 2023 और 2024 की गर्मियों में कनाडाई आर्कटिक अभियान की शुरुआत।

(ख) जी हाँ। भारत ने वर्ष 2022 में अपनी आर्कटिक नीति जारी की है। भारत सरकार आर्कटिक क्षेत्र में हो रहे विकास पर बारीकी से नज़र रखती है। जैसा कि 'भारत और आर्कटिक: सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण' शीर्षक वाली भारत की आर्कटिक नीति में दर्शाया गया है, आर्कटिक क्षेत्र में तांबा, फास्फोरस, नियोबियम, प्लैटिनम-समूह तत्वों और दुर्लभ खनिजों के भंडार हैं। आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग के क्षेत्र में भागीदारी सहित आर्कटिक परिषद के देशों के साथ भारत की भागीदारी आर्कटिक क्षेत्र में भारत के दृष्टिकोण या भागीदारी का एक महत्वपूर्ण घटक है। इस क्षेत्र में, भारत सतत संसाधन अन्वेषण के लिए साझेदारियां बनाने और उन्हें सशक्त करने का प्रयास कर रहा है। पिछले तीन वर्षों में आर्कटिक में भारत के वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयासों के लिए लगभग 45 करोड़ रुपये आवंटित/उपयोग किए गए हैं।

****